



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शुक्रवार, 30 सितम्बर, 2005/8 आश्विन, 1927

हिमाचल प्रदेश सरकार

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-171002, 19 सितम्बर, 2005

संख्या ई० एक्स० एन०-एफ (6)-6/2005.—हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 (2005 का 15) की धारा 31 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने के लिए

निम्नलिखित नियम बनाते हैं; अर्थात्:-

अध्याय-1

संक्षिप्त नाम। 1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर नियम, 2005 है ।

परिभाषाएं । 2. (1) इन नियमों में जब तक कि विषय या संदर्भ में कोई बात विरुद्ध न हो :-

(क) "अधिनियम" से, हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर-अधिनियम, 2005 अभिप्रेत है;

(ख) "समुचित निर्धारण प्राधिकारी" से किसी विशिष्ट नियोक्ता या किसी अन्य व्यक्ति की बाबत सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या आबकारी एवं कराधान अधिकारी जिसकी अधिकारिता के भीतर ऐसे नियोक्ता या ऐसे व्यक्ति के कार्य का स्थान स्थित है, या यदि राज्य में उसके एक से अधिक कार्य स्थान हैं, तो सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त और आबकारी एवं कराधान अधिकारी जिनकी अधिकारिता के भीतर कार्य स्थान का मुख्य कार्यालय स्थित है, अभिप्रेत है और ऐसे अधिकारी को अधिनियम की धारा 2 के खण्ड (ख) के अधीन निर्धारण करने को प्राधिकृत किया गया समझा जाएगा;

(ग) "समुचित सरकारी खजाना से उस जिला जिसमें नियोक्ता या अन्य सम्बद्ध व्यक्ति का कार्य स्थान है अथवा यदि राज्य में कारबार एक से अधिक स्थानों में किया जाता है तो हिमाचल प्रदेश में कार्य स्थानों का मुख्य कार्यालय है; में स्थित भारतीय स्टेट बैंक या स्टेट बैंक पटियाला की शाखा के रूप में सरकारी खजाना या उप-खजाना अभिप्रेत है;

स्पष्टीकरण.—स्टेट बैंक पटियाला की शाखा केवल उसी नियोक्ता या अन्य व्यक्ति के सम्बन्ध में समुचित सरकारी खजाना समझी जाएगी जहां कोई सरकारी खजाना या उप-खजाना या भारतीय स्टेट बैंक की शाखा नहीं है;

(घ) "प्ररूप" से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है;

(ङ) "कार्यस्थान" से, व्यक्ति या नियोक्ता के सम्बन्ध में ऐसा स्थान अभिप्रेत है जहां ऐसा व्यक्ति या नियोजक साधारणतय अपनी वृत्ति, व्यापार, आजीविका या नियोजन करता है;

(च) "धारा" से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है; और

(छ) "राज्य" से हिमाचल प्रदेश राज्य अभिप्रेत है ।

(2) इन नियमों में शब्दों और पदों के, जो इनमें प्रयुक्त हैं और परिभाषित नहीं हैं, वही अर्थ होंगे जो अधिनियम में क्रमशः इनके हैं ।

अध्याय-2

रजिस्ट्रीकरण और नामांकन

रजिस्ट्रीकरण
या
समुचित
नामांकन
प्रमाण-पत्र
प्रदान करना ।

(3) (1) धारा-7 की उप-धारा (1) के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र के लिए आवेदन, समुचित निर्धारण प्राधिकारी को प्ररुप वृ क 1 में किया जायेगा और इसके साथ समुचित सरकारी खजाने में प्ररुप वृ. क. 6 में चालान द्वारा दस रुपये की जमा रसीद संलग्न की जायेगी ।

(2) धारा-7 की उप-धारा (2) के अधीन नामांकन प्रमाण-पत्र के लिए या धारा 7 की उप-धारा (3) के अधीन पुनरीक्षित नामांकन प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन समुचित निर्धारण प्राधिकारी को प्ररुप वृक 2 में किया जाएगा और इसके साथ समुचित सरकारी खजाने में प्ररुप वृक 6 में दस रुपये की जमा रसीद संलग्न की जाएगी ।

(3) समुचित निर्धारण प्राधिकारी उपनियम (1) और उपनियम (2) के अधीन प्राप्त आवेदन में दी गई विशिष्टियों का सत्यापन करने पर, आवेदक को प्ररुप वृक 3 में रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र और प्ररुप वृक 4 में नामांकन प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा ।

(4) जहां आवेदक के राज्य में एक से अधिक कार्य के स्थान हैं तो उसे प्रत्येक ऐसे कार्य स्थान के लिए, यथास्थिति प्ररुप वृक 3 या प्ररुप वृक 4 में प्रमाण-पत्र की उतनी ही प्रतियां जारी की जाएंगी ।

(5) यथास्थिति रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र या नामांकन प्रमाण-पत्र का धारक उसके कार्य के स्थान पर या कार्य के अतिरिक्त स्थान जो उससे सम्बन्धित है सहज दृश्य स्थान पर उसे प्रदर्शित करेगा ।

(6) यदि रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र या नामांकन प्रमाण-पत्र गुप्त, या नष्ट या विरूपित या विकृत या अपठनीय हो जाता है तो प्रमाण-पत्र धारक समुचित निर्धारण प्राधिकारी को, उसकी दूसरी प्रति प्रदान करने के लिये आवेदन करेगा । निर्धारण प्राधिकारी, ऐसे यथावश्यक सत्यापन के पश्चात् ऐसे प्रमाण-पत्र धारक को मूल प्रमाण-पत्र की अधिप्रमाणित प्रति उस पर "दूसरी

प्रति" शब्द स्पष्टित करके जारी करेगा ।

(7) इस नियम में किसी बात के होते हुए भी, कोई नियोक्ता या अन्य व्यक्ति, जो हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968 (1968 का 24) या केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956 (1956 का 74) के अधीन रजिस्ट्रीकृत हो चुका है या रजिस्ट्रीकृत हुआ समझा गया है या हिमाचल प्रदेश मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005 (2005 का 12) के अधीन वास्तव में रजिस्ट्रीकृत हो चुका है, का पृथक से रजिस्ट्रीकरण अपेक्षित नहीं है और स्वभाविक रूप में उसे रजिस्ट्रीकरण या नामांकन संख्या आबंटित की जाएगी:

परन्तु केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार या किसी अन्य राज्य सरकार या संघ राज्य क्षेत्र के आहरण एवं संवितरण अधिकारी को निर्धारण प्राधिकारी द्वारा पहचान संख्या आबंटित की जाएगी ।

4. (1) जहां नियम 3 के अधीन प्रदान, यथास्थिति, रजिस्ट्रीकरण नामांकन प्रमाण-पत्र या नामांकन प्रमाण का धारक प्रमाण-पत्र को संशोधित या पुनरीक्षित करने की वांछा रखता है तो वह समुचित निर्धारण प्राधिकारी को इस प्रयोजन हेतु प्ररूप वृक 2 में विनिर्दिष्ट पहलू जिसके विषय में वह संशोधन या पुनरीक्षण की वांछा रखता है और उसके लिए कारणों को उपवर्णित करके रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र या नामांकन प्रमाण-पत्र के साथ आवेदन प्रस्तुत करेगा ।

(2) समुचित निर्धारण प्राधिकारी का दिए गए कारणों से यदि समाधान हो जाता है तो उप-नियम (1) में विनिर्दिष्ट प्रमाण-पत्र की तारीख जिससे संशोधन प्रभावी होगा या तारीख जिससे कर की पुनरीक्षित दरें संदेय होगी उपदर्शित करे, संशोधन या पुनरीक्षण कर सकेगा ।

(3) नियम 3 के अधीन प्रदत्त रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र या नामांकन प्रमाण-पत्र को समुचित निर्धारण प्राधिकारी द्वारा उसका अपना यह समाधान होने पर कि—

(क) नियोजक जिसे ऐसा रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र जारी किया गया था, नियोजक नहीं रहा है; या

(ख) अभ्यावेशित व्यक्ति की मृत्यु हो गई है या उसका कर संदाय करने का दायित्व समाप्त हो गया है, रद्द किया जा सकेगा ।

कर्मचारी द्वारा
अपने नियोजक
को प्रस्तुत किया
जाने वाला
प्रमाण-पत्र ।

5. व्यक्ति द्वारा धारा 5 के द्वितीय परन्तुक के अधीन अपने नियोजक को प्रस्तुत किया जाने वाला प्रमाण-पत्र प्ररुप वृक 5 में होगा ।

अध्याय-3

कर का संदाय, विवरणियां, नोटिस और रजिस्ट्रार

कर इत्यादि
संदत्त करने
का ढंग ।

6. (1) कर, ब्याज, शास्ति, प्रशमन धन, रजिस्ट्रीकरण या किसी अन्य दायित्व की बाबत किसी संदेय कोई रकम, समुचित सरकारी खजाने में प्ररुप वृक 6 में जो जिला आबकारी एवं कराधान अधिकारी और इनके उप-कार्यालयों से निःशुल्क अभिप्राप्त है चालान द्वारा संदत्त की जाएगी । ऐसी किसी रकम का संदाय, सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आबकारी एवं कराधान अधिकारी या इसके उप-कार्यालयों में सिवाय अनुसूचित बैंक में निर्धारण प्राधिकारी के पक्ष में देय बैंक ड्राफ्ट द्वारा स्वीकार नहीं किया जायेगा ।

(2) प्ररुप वृक 6 में चालान, जिला आबकारी एवं कराधान कार्यालयों और इसके उप-कार्यालयों से निःशुल्क अभिप्राप्त होंगे ।

(3) प्ररुप वृक 6 में चालान चार प्रतियों में भरा जाएगा । “दूसरी प्रति” के रूप में चिन्हित चालान की प्रति खजाने द्वारा रखी जाएगी, असल प्रति के रूप में चिन्हित प्रति कोषाधिकारी द्वारा सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या जिलों के प्रभारी आबकारी एवं कराधान अधिकारी को भेजी जाएगी और “तीसरी प्रति” और “चौथी प्रति” चिन्हित की गई प्रति के रूप में संदाय करने वाले व्यक्ति को संदाय के साक्ष्य में सम्यक रूप में हस्ताक्षरित और स्पष्टित करके वापस की जाएगी । चालान की “तीसरी प्रति” संदाय करने वाले व्यक्ति द्वारा विवरणी या आवेदन के साथ निर्धारण प्राधिकारी को दी जाएगी ।

विवरणियां
और निर्धारण ।

7. (1) धारा-9 की उप धारा (1) के अधीन विवरणी प्ररुप वृक 7 में आगामी वर्ष के 30 अप्रैल के दिन तक प्रत्येक वर्ष के लिए, समुचित निर्धारण प्राधिकारी को प्रस्तुत की जाएगी :

परन्तु नियम 8 के अन्तर्गत आने वाले मामलों के सिवाय वित्तीय वर्ष की प्रत्येक तिमाही के अवसान से तीस दिन के भीतर कर का संदाय समुचित सरकारी खजाने में किया जायेगा ।

(2) धारा-9 की उप-धारा (1) या उप-धारा (3) के अधीन निर्धारण का आदेश करने से पूर्व निर्धारित को ऐसे निर्धारण के विरुद्ध सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान किया जाएगा और इस प्रयोजन के लिए उसे प्ररूप वृक 9 में नोटिस दिया जायेगा।

स्पष्टीकरण.— अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (3) के प्रयोजन के लिए “विहित प्राधिकारी” से “समुचित निर्धारण प्राधिकारी” अभिप्रेत है।

8. (1) केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार या हिमाचल प्रदेश राज्य से भिन्न किसी राज्य सरकार, संघ राज्य क्षेत्र, स्थानीय निकाय, केन्द्रीय या राज्य सार्वजनिक उपक्रमों राज्य विद्युत बोर्ड या किसी अन्य बोर्ड, विश्वविद्यालय या ऐसा अन्य शैक्षणिक संस्थान के आहरण और संवितरण अधिकारी कर्मचारियों के वेतन या मजदूरी जिनका वेतन और मजदूरी उनके द्वारा निकाला जाता है से कर की देय रकम की कटौती करने के लिए उत्तरदायी होंगे। कटौती प्रत्येक मास में की जाएगी और कटौती की गई रकम नियम 6 के अधीन मास जिससे ये सम्बन्धित है के बन्द होने के सात दिन के पश्चात् समुचित सरकारी खजाने में जमा की जाएगी और ऐसे कर्मचारी का वेतन या मजदूरी मास फरवरी के लिए नहीं निकाली जाएगी, जब तक कर की रकम या उसका भाग आगामी वर्ष के मार्च के मास से फरवरी तक की अवधि के लिए या उस मास, जब से कर्मचारी कर संदेय करने का दायी होता है से फरवरी मास तक पूर्ण रूप में कटौती न की जा चुकी हो :

कर्मचारियों के वेतन या मजदूरी से कर की रकम की कटौती।

परन्तु हिमाचल प्रदेश सरकार का कोई आहरण और संवितरण अधिकारी उन कर्मचारियों के वेतन या मजदूरी बिलों से कर की देय रकम की कटौती करेगा जिसका वेतन या मजदूरी मास के दौरान उसके द्वारा आहरित या संवितरित की जाती है और ऐसी कटौती की गई कर की रकमों को “0045—वस्तुओं और सेवाओं पर अन्य कर और शुल्क, 112—अन्य अधिनियमों के अधीन उप कर से प्राप्तियां, 02—सेवाओं पर वृत्तिक कर” के शीर्ष लेख के अधीन जमा की जाएंगी और ऐसी कटौतियां दर्शाने वाला विवरण वेतन या मजदूरी बिल के साथ संलग्न की जाएगी और इसकी प्रति समुचित निर्धारण प्राधिकारी को भेजी जाएगी।

(2) आहरण और संवितरण अधिकारी तीस अप्रैल से पहले समुचित निर्धारण प्राधिकारी को प्रमाण-पत्र के साथ कर्मचारियों को दिए वेतन या

मजदूरी के संदाय के सम्बन्ध में विवरण देगा कि ऐसे कर्मचारियों की बाबत संदेय कर, जो वेतन या मजदूरी पूर्ववर्ती की तुरन्त अवधि के दौरान उसके द्वारा ली गई थी को अधिनियम के उपबन्धों के अनुसार और अधिनियम, की अनुसूची में विनिर्दिष्ट दरों पर कटौती की जा चुकी है। ऐसा विवरण कर्मचारी का नाम लिए गए वेतन या मजदूरी का ब्यौरा, काटे गए कर की रकम और अवधि जिससे कर सम्बन्धित है, दर्शाएगा।

(3) अधिनियम या इन नियमों में उपबन्धों के न होते हुए कर्मचारी का कर संदाय करने का दायित्व समाप्त नहीं होगा जब तक उसके द्वारा अधिनियम के अधीन कर की रकम को संदत्त करके सरकारी लेखे में पूर्ण रूप में जमा नहीं की गई हो और इन उपबन्धों पर प्रतिकूल प्रभाव डाले बिना कर की असंदत्त रकम उससे वसूली जा सकेगी यदि नियोजक या समुचित निर्धारण प्राधिकारी का समाधान हो जाता है कि उसके वेतन या मजदूरी से ऐसी रकम की कटौती नहीं की गई है।

9. (1) निर्धारण प्राधिकारी द्वारा नोटिस धारा 7 की उप-धारा (5) नोटिस। या उप-धारा (6) अथवा धारा 12 के अधीन वृक प्ररुप 8 में जारी किया जाएगा।

(2) निर्धारण प्राधिकारी द्वारा नोटिस धारा 9 की उप-धारा (3) अथवा धारा 10 की उप-धारा (2) या उप-धारा (4) के अधीन प्ररुप वृक 9 में जारी किया जाएगा।

(3) निर्धारण प्राधिकारी द्वारा मांग नोटिस धारा 10 की उप-धारा 6 के अधीन और अधिनियम के अधीन अधिरोपित किसी शास्ति या ब्याज सहित अन्य मांगों के लिए प्ररुप वृक-10 में जारी किया जायेगा।

दैनिक संग्रहण
तथा मांग और
संग्रहण
रजिस्ट्रों का
परिचक्षण।

10. (1) यथास्थिति सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आबकारी और कराधान अधिकारी प्रत्येक के कार्यालय में वृक प्ररुप 11, में एक दैनिक संग्रहण रजिस्टर बनाया जायेगा जिसमें नियम 6 के उप-नियम (3) के अधीन समुचित सरकारी खजाना से प्ररुप वृक-6 में प्रत्येक चालान की प्राप्त असल प्रति की वशिष्टियां अभिलिखित की जाएगी।

(2) प्रत्येक कोषाधिकारी, सहायक आबकारी और कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी आबकारी और कराधान अधिकारी को प्रत्येक मास के प्रथम

सप्ताह के भीतर अधिनियम और नियम 6 के अधीन पूर्ववर्ती मास के दौरान समुचित सरकारी खजाने में जमा की गई रकमों का विवरण भी भेजेगा ।

(3) प्रत्येक निर्धारण प्राधिकारी, प्ररूप वृक-12 में मांग और संग्रहण रजिस्टर में विवरणियों, और अधिनियम के अधीन किए गये कर, ब्याज और शास्ति के संदायों की विशिष्टियों की प्रविष्टि करेगा ।

नियोजक द्वारा
कर्मचारियों के
वेतन से काटे
गए कर के लेखे
को रखना ।

11. प्रत्येक नियोजक एक रजिस्टर बनाएगा जिसमें उसके नियोजन में प्रत्येक व्यक्ति को संदत्त वेतन और मजदूरी की रकम और कर्मचारी के वेतन और मजदूरों से कटौती की गई कर की रकम की प्रविष्टि की जाएगी और मांग करने पर उसे किसी अधिकारी के समक्ष, जो आबकारी और कराधान और निरीक्षक की पंक्ति से कम न हो, प्रस्तुत करेगा ।

अध्याय-4

अपीलें

12. (1) अपील का प्रत्येक ज्ञापन :

- (क) लिखित में होगा और अपीलार्थी का नाम और पता विनिर्दिष्ट करेगा;
- (ख) प्राधिकारी जिसने आदेश पारित किए हैं, और आदेश की तारीख जिसके विरुद्ध अपील की गई है, को विनिर्दिष्ट करेगा;
- (ग) संक्षिप्त किन्तु स्पष्ट रूप में तथ्यों का स्पष्ट विवरण और अपील के आधार उपवर्णित होंगे;
- (घ) प्रमिततः मांगा गया अनुतोष कथित करेगा; और
- (ङ) अपीलार्थी या उसके द्वारा इस निमित्त सम्यक रूप में प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा हस्ताक्षरित और सत्यापित, निम्नलिखित प्ररूप में होगा, अर्थात् मैं-अपीलार्थी/अपील के उपरोक्त ज्ञापन में पामित

अपीलार्थी द्वारा नियुक्त अभिकर्ता, एतद् द्वारा घोषित करता हूँ कि जो इसमें कथित है, अपनी सर्वोत्तम विवेक बुद्धि और विश्वास के अनुसार सही है ।

(हस्ताक्षर)

(2) अपील का ज्ञापन मूल आदेश, जिसके विरुद्ध यह किया गया है या उसकी सम्यक् रूप से अधिप्रमाणित प्रति के साथ संलग्न होगा, जब तक कि ऐसे आदेश या प्रति को प्रस्तुत करने में लोप अपील प्रस्तुत करते समय अपील प्राधिकारी को समाधान के लिए स्पष्ट नहीं किया जाता है।

(3) अपील का ज्ञापन दो प्रतियों में होगा और अपीलार्थी द्वारा या उसके अधिकर्ता द्वारा अपील प्राधिकारी को प्रस्तुत किया जाएगा या अपील प्राधिकारी को रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा भेजा जाएगा।

(4) यदि, अपील के ज्ञापन में उप-नियम (1) के अधीन अपेक्षित विशिष्टियों में से किसी को छोड़ देने या आदेश जिसके विरुद्ध अपील की गई है अथवा उसकी सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रति संलग्न न करने, या अपील प्राधिकारी द्वारा पर्याप्त माने गए किन्हीं अन्य कारणों के लिए अपीलार्थी को सुनवाई का अवसर देने के पश्चात् अपील संक्षेपतः अस्वीकृत की जा सकेगी।

(5) यदि अपील प्राधिकारी अपील को संक्षेपतः अस्वीकार नहीं करता है, तो यह सुनवाई की तारीख नियत करेगा और उस प्राधिकारी जिसके आदेश के विरुद्ध अपील दाखिल की गई है, को नोटिस देने और सुनने के पश्चात् अपील का विनिश्चय करेगा और तदुपरि अपील प्राधिकारी धारा 18 की उप-धारा (5) के अधीन आदेश पारित कर सकेगा।

अध्याय-5

प्रकीर्ण

मूलों की
परिशुद्धि ।

13. कोई निर्धारण, अपील या पुनरीक्षण प्राधिकारी, अपने द्वारा पारित किसी आदेश की तारीख से दो वर्ष के भीतर किसी भी समय, निर्धारित की, अपने

ऐसा करने के आशय का नोटिस देने के पश्चात् और उसे सुनवाई का युक्तियुक्त अवसर प्रदान करने के पश्चात्, अभिलेख के देखने से ही प्रकट किसी लिपिकीय या गणित सम्बन्धी गलती को परिशोधित कर सकेगा।

14. (1) यदि एक क्षेत्र में रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र या नामांकन कार्य स्थान का प्रमाण पत्र का धारक, अपना कार्य स्थान किसी अन्य क्षेत्र को स्थानांतरित करता है तो वह ऐसे स्थानान्तरण से तीस दिन के भीतर उसकी सूचना निर्धारण प्राधिकारी जिसके कार्यालय से ऐसा प्रमाण-पत्र जारी किया गया, को प्रस्तुत करेगा, और ऐसी सूचना की एक प्रति, उस क्षेत्र, जहां कार्य स्थान स्थानान्तरित किया जाना या किया गया है, पर अधिकारिता का प्रयोग बरने वाले निर्धारण प्राधिकारी को भी भेजेगा।

(2) उस मास, जिससे सूचना दी गई के तत्काल पश्चात्पूर्वी मास के प्रारम्भ से, उस क्षेत्र, जिसमें कार्य स्थान स्थानान्तरित किया गया है पर अधिकारिता रखने वाला निर्धारण प्राधिकारी, ऐसी सूचना भेजने वाले व्यक्ति के बारे में, कर का अवधारण करने और वसूली करने, तथा उससे अनुपमगी विषयों से सभी शक्तियों का प्रयोग और सभी कृत्यों का उन्मोचल करेगा।

15. (1) अधिनियम या तदधीन बनाए गए नियमों के अधीन नोटिस, निम्नलिखित ढंगों में से किसी द्वारा तामील किया जा सकेगा, अर्थात्—

नोटिसों की तामील।

- (i) संबोधित या उसके साथ निवास करने वाले उसके कुटुम्ब के किसी व्यस्क सदस्य या उसके द्वारा नियमित नियोजित व्यक्ति को नोटिस की प्रति परिदत्त या निविदत्त करके; या
- (ii) रजिस्ट्रीकृत डाक द्वारा :

परन्तु ऊपर वर्णित में से किसी ढंगों द्वारा किसी ऐसे नोटिस की तामील करने के प्रयास पर यदि, प्राधिकारी, जिसके आदेश के अधीन नोटिस जारी किया गया था का समाधान हो गया है कि संबोधित नोटिस की तामील से बच रहा है या कि किन्हीं अन्य कारणों के लिए जो ऐसे प्राधिकारी की राय में पर्याप्त है कि ऊपर वर्णित ढंगों में से

किसी द्वारा नोटिस की तामील नहीं हो सकती, तो उक्त प्राधिकारी, उसके लिए कारणों को अभिलिखित करने के पश्चात्, संबोधित के कार्य स्थान या उसके द्वारा अंतिम अधिसूचित आवास के किसी सहज दृश्य भाग पर नोटिस की एक प्रति चस्पा करके, तामील करवाएगा, और ऐसी तामील, संबोधित पर व्यक्तिगत रूप से तामील की गई समझी जाएगी।

(2) जब आदेशिका तामीलकर्ता (प्रोसेस सर्वर) संबोधित को व्यक्तिगत रूप से अथवा उप-नियम (1) के खण्ड (i) में निर्दिष्ट व्यक्तियों में से किसी को नोटिस की प्रति परिदत्त या निविदत्त करता है, तो वह, उस व्यक्ति के जिसको प्रति ऐसे परिदत्त या निविदत्त की गई है, पृष्ठांकित तामील की अभिस्वीकृति के रूप में, असल नोटिस पर, हस्ताक्षर करवाएगा।

(3) जब, उप-नियम (1) के अनुसार, उसकी एक प्रति चस्पा करके नोटिस की तामील की गई हो, तो आदेशिका तामीलकर्ता, यह कथित करते हुए असल प्रति पर पृष्ठांकित या उसके साथ संलग्न करके यह रिपोर्ट, कि उसने प्रति ऐसे चस्पा की, परिस्थितियां जिनके अधीन उसने ऐसा किया, और व्यक्ति, यदि कोई हो, का नाम और पता, जिसके माध्यम से संबोधित का कार्य स्थान अथवा निवास अवस्थित किया, पहचाना, तथा जिसकी उपस्थिति में प्रति चस्पा की, नोटिस जारी करने वाले प्राधिकारी को वापिस करेगा। आदेशिका तामीलकर्ता, अपनी रिपोर्ट पर, संबोधित का कार्य स्थान या निवास को पहचानने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर अथवा अंगूठा निशान भी अभिप्राप्त करेगा।

(4) प्राधिकारी, जिसके आदेशाधीन नोटिस जारी किया गया था, आदेशिका तामीलकर्ता की रिपोर्ट या डाक अभिस्वीकृति अथवा ऐसे साक्ष्य लेने पर, जैसे वह उचित समझे, समाधान होने पर कि नियम के अनुसार नोटिस की तामील की गई है, तथ्य अभिलिखित करेगा और उस प्रभाव का आदेश करेगा।

(5) यदि प्राधिकारी का समाधान नहीं होता है कि नोटिस उचित रूप से तामील किया गया, तो वह उस प्रभाव का आदेश अभिलिखित करने के पश्चात्, नए नोटिस की तामील करना निर्दिष्ट कर सकेगा।

16. निम्नलिखित फीस न्यायालय फीस स्टॉपों के रूप में संदेय कतिपय विषय हेतु फीस।
होगी:--

क्र० सं०	दस्तावेजों का प्रकार	न्यायालय फीस स्टॉप का मूल्य
1.	(क) धारा 18(1) और (2) के अधीन अपील का ज्ञापन।	पांच रुपये
	(ख) धारा 20 के अधीन उच्च-न्यायालय को पुनरीक्षण।	एक सौ रुपये
2.	अधिवक्ता द्वारा वकालत नामा	दो रुपये
3.	(क) अधिनियम के अधीन किसी प्राधिकारी के समक्ष किन्ही कार्यवाहियों के स्थगन हेतु आवेदन।	दो रुपये
	(ख) अपील आदि के प्रत्यावर्तन हेतु आवेदन	पांच रुपये
4.	(क) अधिनियम के अधीन किसी प्राधिकारी द्वारा पारित किसी आदेश या किसी अन्य दस्तावेज की प्रति।	प्रत्येक पृष्ठ या उसके भाग के लिए दो रु०
	(ख) अत्यावश्यक प्रतियों हेतु आवेदन	ऊपर 4 (क) में संदेय फीस का दोगुना, (प्रतियां आवेदन की प्राप्ति की तारीख से दो दिन के भीतर जारी की जायेगी)
5.	संशोधन अथवा रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन।	पांच रुपये
6.	कर आदि की मांग की किस्तों का अनुदान अथवा कर की किसी मांग के संदाय को मुलतवी करने या मांग को रोकने हेतु आवेदन।	पांच रुपये
7.	ऊपर क्रम संख्या 1 से 6 और नियम 86 के अधीन न आने वाले किसी अन्य दस्तावेज हेतु आवेदन।	दो रुपये

प्रतिदाय ।

17. (1) अधिनियम की धारा 16 के अधीन प्रतिदाय का प्रत्येक आवेदन निर्धारण प्राधिकारी को किया जायेगा ।

(2) जब अभिलेख की संवीक्षा करने के पश्चात् निर्धारण प्राधिकारी का समाधान हो, तो वह धारा 16 के उपबन्धों के अध्याधीन ऐसी रकम जो अधिनियम के अधीन देय किसी रकम की वसूली का समायोजन करने के पश्चात् निर्धारिती के पक्ष में देय रहती है, का प्ररूप-वृक-13 में प्रतिदाय संदत्त करने का आदेश या प्ररूप वृक-14 में प्रतिदाय समायोजन आदेश जारी करेगा ।

प्ररूप वृ0क0 1

[नियम 3 (1) देखें]

हिमाचल प्रदेश वृतियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 7 की उप-धारा(1) के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र के लिए आवेदन पत्र

सेवा में,

निर्धारण प्राधिकारी,

.....

.....

मैं एतद् द्वारा, हिमाचल प्रदेश वृतियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 7 की उप-धारा (1) के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र के लिए आवेदन करता हूं और नीचे दी गई विशिष्टियां प्रस्तुत करता हूं :-

1. आवेदक का नाम-----
2. पता-----
पिन कोड-----
3. इस प्ररूप पर हस्ताक्षर करने वाले व्यक्ति की हैसियत

स्वत्वधारी	भागीदार	प्रधान अधिकारी	अभिकर्ता	प्रबंधक	निदेशक	सचिव

घोषणा

मैं एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और पूर्ण है।

स्थान.....

तारीख.....

हस्ताक्षर

हैसियत

(केवल कार्यालय प्रयोग हेतु)

जारी रजिस्ट्रीकरण.....

प्रमाण पत्र.....

निर्धारण प्राधिकारी के हस्ताक्षर ।

अभिस्वीकृति

श्री पता.....

.....से प्ररूप पी0 टी0 3 में रजिस्ट्रीकरण के लिए प्ररूप पी0 टी0 1 में आवेदन प्राप्त किया।

तारीख.....

प्राप्तकर्ता अधिकारी के हस्ताक्षर ।

प्ररूप वृ० क० 2

[नियम 3 (2) तथा 4 (1) देखें]

हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 7 की उप-धारा(2) के अधीन नामांकन प्रमाण पत्र/धारा 7 की उप-धारा (3)के अधीन पुनरीक्षण के प्रमाण पत्र के लिए आवेदन पत्र

सेवा में,

निर्धारण प्राधिकारी,

.....जिला

मैं एतद्वारा, हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 7 की उप-धारा (2) के अधीन नामांकन प्रमाण पत्र/धारा 7 की उप-धारा (3)के अधीन नामांकन प्रमाण पत्र के पुनरीक्षण के लिए आवेदन करता हूँ :-

1. आवेदक का नाम.....
2. पत्राचार का पूरा पता.....
3. जन्म की तारीख और आयु.....
4. वृत्ति, व्यापार या आजीविका.....
5. वृत्ति में बने रहने की अवधि (वर्ष तथा मास में).....
6. कार्य के अन्य स्थानों की संख्या (कृपया स्थानों के पते दें)
 - (i).....
 - (ii).....
 - (iii).....
7. सभी विक्रयों/क्रयों का वार्षिक आवर्त.....
- *8. कारखाने में नियुक्त की संख्या.....
- *9. स्थापन में कर्मकारों की संख्या.....
- *10. पूर्व प्रमाण पत्र की नाम नामांकन संख्या, यदि कोई हो.....
- *11. यदि, हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968/हिमाचल प्रदेश मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005/केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत है, तो धारित रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र की संख्या:
 - (i) हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968.....
 - (ii) हिमाचल प्रदेश मूल्य वर्धित कर अधिनियम, 2005.....
 - (iii) केन्द्रीय विक्रय कर अधिनियम, 1956.....

*आधार जिन पर पुनरीक्षण चाहा गया है.....

घोषणा

मैं एतद्वारा घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त कथन मेरी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार सत्य और पूर्ण है।

स्थान.....

तारीख.....

हस्ताक्षर

हैसियत के साथ ।

*कृपया जो लागू हो उसे भरे।

(केवल कार्यालय प्रयोग हेतु)

जारी नामांकन प्रमाण पत्र संख्या.....

निर्धारण प्राधिकारी के हस्ताक्षर ।

अभिस्वीकृति

श्री..... पता.....

से प्ररूप पी0टी0 4 में नामांकन प्रमाणपत्र/पुनरीक्षित नामांकन प्रमाणपत्र के लिए प्ररूप पी0 टी0-2 में आवेदन प्राप्त किया।

तारीख.....

प्राप्तकर्ता अधिकारी के हस्ताक्षर ।

प्ररूप वृ० क० 3
[नियम 3 (3) देखें]

हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005
की धारा 7 की उप-धारा(1) के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र

संख्या.....

जिला.....

प्रमाणित किया जाता है कि.....के रूप में ज्ञात
स्थापन/क्लब/सोसाइटी/निगम/कम्पनी को स्वत्वधारी/भागीदार/प्रधान अधिकारी/
अभिकर्ता/प्रबंधक/प्रमुख को, हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर
अधिनियम, 2005 की धारा 7 की उप-धारा (1) के अधीन नियोजक के रूप में रजिस्ट्रीकृत किया जाता
है।

2. इस प्रमाणपत्र का धारक निम्नलिखित कार्य के अतिरिक्त स्थानों का धारक है :—

- (i).....
(ii).....
(iii).....

3. विवरणी प्रत्येक अप्रैल की तीस तारीख तक दी जाएगी और कर का संदाय वित्त वर्ष
के प्रत्येक त्रैमास के अवसान से तीस दिन के भीतर त्रैमासिक किया जाएगा।

मुद्रा.....

स्थान.....

तारीख.....

निर्धारण प्राधिकारी,

.....वृत्त
.....जिला

प्ररूप वृ० क० 4
[नियम 3 (3) देखें]

हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005
की धारा 7 की उप-धारा(2) के अधीन रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र

संख्या.....

जिला.....

प्रमाणित किया जाता है कि.....वृत्ति / व्यापार / आजीविका
में.....के रूप में ज्ञात.....पर स्थित
के साथ नियोजित हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम,
2005 की धारा 7 की उप-धारा (2) के अधीन नामांकित है / हैं ।

2. इस प्रमाणपत्र का धारक के निम्नलिखित अतिरिक्त कार्य के स्थान है :—

(i).....

(ii).....

(iii).....

3. इस प्रमाण-पत्र का धारक, वित्त वर्ष के प्रत्येक त्रैमास के अवसान से तीस दिन के
भीतर प्रत्येक त्रैमास के लिए जमा किया जाने वाला कर.....रुपये प्रति मास की दर पर
संदत्त करेगा ।

मुद्रा.....

स्थान.....

तारीख.....

निर्धारण प्राधिकारी,

.....वृत्त
.....जिला

प्ररूप वृ० क० 5

[नियम 5 देखें]

उस व्यक्ति द्वारा दिया जाने वाला प्रमाण-पत्र जो समसामयिक रूप से एक से अधिक नियोजक के नियोजन में नियुक्त है

.....
 मैं,एतद्वारा प्रमाणित करता हूँ कि मैं निम्नलिखित नियोजक के नियोजन में नियुक्त हूँ अर्थात्:—

क्रम सं०	नियोजक का नाम	नियोजक का पता
----------	---------------	---------------

(1).....		
----------	--	--

(2).....		
----------	--	--

(3).....		
----------	--	--

और मैंने स्वयं को नामांकन प्रमाण-पत्र संख्या.....के विरुद्ध प्रविष्ट करवाया है।
 मैंनेअवधि के लिए कर का संदाय कर दिया है।

मुद्रा.....

स्थान.....

तारीख.....

निर्धारण प्राधिकारी,

.....वृत्त

.....जिला

प्ररूप वृ० क० 6

[नियम 6(1) देखें]

चालान

असल प्रति	तीसरी प्रति
दूसरी प्रति	चौथी प्रति

.....खजाना/उप-खजाना/भारतीय स्टेट बैंक या स्टेट बैंक ऑफ पटियाला की शाखा में सदत्त और "0045

खाता शीर्ष के अधीन जमा कर का बीजक.....

जिला.....वृत्त.....

अवधि.....20.....

संदाय की अन्तिम तारीख.....

किसके द्वारा दिया गया.....

नियोजक/व्यक्ति का नाम.....

पूरा पता.....

रजिस्ट्रीकरण/नामांकन संख्या.....

112-अधिनियमों के अधीन उपकरणों की रसीदें-

02-सेवाओं पर वृत्तिक कर.....रुपये

शास्ति.....रुपये

ब्याज.....रुपये

प्रशमन धन.....रुपये

रजिस्ट्रीकरण फीस.....रुपये

अंकों में कुल.....रुपये

शब्दों में कुल.....रुपये

प्रमाणित किया जाता है कि ऊपर दी गई सभी विशिष्टियां सही हैं।

जमाकर्ता के हस्ताक्षर

निर्धारण प्राधिकारी के हस्ताक्षर
मुद्रा के साथ

तारीख.....

खजाना में प्रयोग हेतु

.....रुपये प्राप्त किए और "0045 वाणिज्यों और सेवाओं पर अन्य कर और शुल्क—112 अन्य अधिनियमों के अधीन उपकरणों की रसीदें—

02—सेवाओं पर वृत्तिक कर—

खजाना लेखाकार

कोषाधिकारी/उप-कोषाधिकारी/प्रबन्धक,
भारतीय स्टेट बैंक/प्रबन्धक, स्टेट बैंक ऑफ पटियाला

खजाना की स्टांप

पाद टिप्पण:

"असल प्रति"—सम्बद्ध जिला के सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या आबकारी एवं कराधान अधिकारी को कोषाधिकारी द्वारा भेजी जाने वाली।

"दूसरी प्रति"—खजाना में रखी जाने वाली।

"तीसरी प्रति"—संदाय करने वाले व्यक्ति को वापस की जाने वाली।

“चौथी प्रति”—संदाय करने वाले व्यक्ति को वापस की जाने वाली।

प्ररूप वृ० क० 7
[नियम 7 देखें]

हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 9 की उप-धारा(1) के अधीन नियोजन द्वारा संदेय कर की विवरणी

.....को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए संदेय कर की विवरणी

नियोजक का नाम.....
पता.....
रजिस्ट्रीकरण प्रमाण पत्र संख्या.....

कर्मचारियों की संख्या, जिनके विषय में वर्ष के दौरान कर देय है, यथानिम्नलिखत है:—

विशिष्टियां	कर्मचारियों की संख्या	प्रति मास कर की दर	काटी गई कर की रकम
कुल			
प्रति मास या उसके भाग के लिए, उक्त रकम पर एक प्रतिशत की दर से संदेय (यदि कोई हो) साधारण ब्याज जोड़े अधिनियम की धारा 11 के अधीन			
कुल योग			रुपये

मैं प्रमाणित करता हूँ कि सभी कर्मचारी, जो विवरणी की अवधि के दौरान किसी भी नियोजन में कर का संचाय करने के दायी हैं, पूर्वगामी विशिष्टियों के अन्तर्गत हैं। मैं यह भी प्रमाणित करता हूँ कि उनके वेतन या मज़दूरी में परिवर्तन के कारण, कर्मचारियों के वेतन या मज़दूरी से कटौती की जाने वाली कर की रकम में, जहाँ आवश्यक हुआ, आवश्यक पुनरीक्षण कर दिया गया है।

मैंसत्यनिष्ठ से घोषणा करता हूँ कि उपरोक्त कथन मेरी पूर्ण जानकारी और विश्वास से सत्य है।

स्थान.....

हस्ताक्षर
(नियोजक)

तारीख.....

हैसियत

(केवल कार्यालय प्रयोग हेतु)

निर्धारित कर.....रुपये

संदत्त कर.....रुपये

अतिशेष.....रुपये के सत्यापन किए जाने पर विवरणी स्वीकृत की जाती है।

निर्धारण प्राधिकारी।

टिप्पणः—जहाँ विवरणी स्वीकार्य नहीं है, निर्धारण का पृथक आदेश पारित किया जाना चाहिए।

प्ररूप वृ० क० 8

[नियम 9(1) देखें]

हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 7 की उप-धारा (5)/(6) और धारा 12 के अधीन नोटिस

सेवा में,

.....

.....

.....

मैं, अपने कब्जे में आई सूचना से अपना समाधान होने पर कि आप, हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 7 (1)/7(2) के अधीन रजिस्ट्रीकरण/नामांकन करवाने के लिए जिम्मेदार हैं, किन्तु जानबूझकर :-

* (क) आप उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (3) में विनिर्दिष्ट समय के भीतर रजिस्ट्रीकरण/नामांकन के प्रमाण-पत्र हेतु आवेदन करने में असफल रहे हैं:-

* (ख) आपने धारा 7 की उप-धारा (1)/(2) के अधीन आपके द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र में मिथ्या सूचना दी गई है :

* (ग) आप धारा 10 की उप-धारा (5) के अधीन जारी मांग के नोटिस में विनिर्दिष्ट.....रुपये का संदाय करने में बिना युक्तियुक्त कारण के असफल रहे हैं ।

आपको एतद्वाराको बजे.....(स्थान) पर व्यक्तिगत रूप में या सम्पर्क रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के द्वारा, उपस्थित होने और कारण बताने का निदेश देता हूं कि क्यों ना :-

(क) धारा 7 की उप-धारा (5) के खण्ड (i)(ii)/ उप धारा (6) के अधीन देरी के लिए प्रतिदिन दस रुपये से अनधिक, या

(ख) उक्त अधिनियम की धारा 12 के अधीन देय कर की उक्त रकम के पन्द्रह प्रतिशत से कम नहीं किन्तु पच्चीस प्रतिशत से अनधिक,

की शास्ति आप पर अधिरोपित की जाए ।

आपके द्वारा, इस नोटिस का अनुपालन करने में असफल होने की दशा में, मैं आपको और निर्देश दिए बिना, कारवाई करूंगा ।

मुद्रा.....

(हस्ताक्षर)
निर्धारण प्राधिकारी,

तारीख.....

.....वृत्त

स्थान.....

.....जिला

*जो लागू न हो उसे काट दें ।

प्ररूप वृ० क० 9

प्ररूप वृ. क. 9

[नियम 9(1) और (3) देखें]

हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 9 की उप-धारा (3), धारा 10 की उप-धारा (2) या उप-धारा (4) के अधीन नियोजक को सुनवाई का नोटिस

सेवा में,

क्योंकि :-

- (क) आप.....जिला के प्रमाण-पत्र संख्या.....के अधीन रजिस्ट्रीकृत नियोजक, से हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 9 की उप-धारा (1) या उप-धारा (2) के अधीन विवरणी प्रस्तुत करने का अनुरोध किया था किन्तु आप 31 मार्च को समाप्त होने वाली अवधि के लिए ऐसी विवरणी प्रस्तुत करने में बिना युक्तियुक्त कारण के असफल रहे हैं ।
- (ख) मेरा समाधान नहीं हुआ है किके.....दिन को समाप्त होने वाले माह/तिमाही/वर्ष के लिए आपके द्वारा प्रस्तुत विवरणी सही और पूर्ण है और हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 10 की उप-धारा (2) के अधीन ऊपर वर्णित अवधि के बारे में मुझे निर्धारण करना आवश्यक प्रतीत होता है ।
- (ग) मेरे कब्जे में आई सूचना से मेरा समाधान हो गया है कि आप, हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 के अधीन.....से प्रारम्भ होने और.....को समाप्त होने वाली अवधि के बारे में कर का संदाय करने के लिए जिम्मेदार हैं किन्तु आप उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा

(1) के अधीन स्वयं को रजिस्ट्रीकृत करवाने में असफल रहे हैं, या रजिस्ट्रीकृत होते हुए भी कोई विवरणी दाखिल करने में असफल रहे हैं या निर्धारण से बच निकले हैं और मुझे, ऊपर वर्णित अवधि और सभी पश्चात्तवर्ती अवधियों के बारे में का उक्त अधिनियम की धारा 10 की उप-धारा (4) के अधीन निर्धारण करना आवश्यक प्रतीत होता है।

2. आपको एतद् द्वारातारीख कोबजे.....
.....(स्थान) पर व्यक्तिगत रूप में या सम्यक् रूप से प्राधिकृत प्रतिनिधि के द्वारा, उक्त समय और स्थान पर, ऐसे निर्धारण के प्रयोजन के लिए और उसके समर्थन में कोई आक्षेप जो आप देना चाहे के साथ नीचे विनिर्दिष्ट लेखे और दस्तावेज प्रस्तुत करने या प्रस्तुत करवाने और उस तारीख को कारण बताने के लिए कि क्यों न उक्त अधिनियम की धारा 9 की उप-धारा (3) के अधीन, देरी किए गए प्रत्येक दिन के लिए दस रुपये से अनधिक किन्तु कर दायित्व के योग के पचास प्रतिशत से अनधिक शास्ति आप पर अधिरोपित की जाए, उपस्थित होने का निदेश दिया जाता है।

आपके द्वारा इस नोटिस का अनुपालन करने में असफल होने की दशा में, मैं आपको और निर्देश दिए बिना अपने श्रेष्ठ निर्णय के अनुसार, कर का निर्धारण करने को अग्रसर होऊंगा।

.....हस्ताक्षर,
निर्धारण अधिकारी,
.....जिला
मुद्रा.....
.....
तारीख.....

*जो लागू न हो उसे काट दें।

प्ररूप वृ० क०-10

[नियम 9(2) देखें]

हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 10 की उप-धारा (5) के अधीन कर (ब्याज तथा शास्ति सहित) के संदाय के लिए मांग का नोटिस

निर्धारण प्राधिकारी का निर्धारण

जिला

तारीख

सेवा में,

.....

.....

.....

रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र संख्या

एतद्वारा आपको सूचित किया जाता है कि हिमाचल प्रदेश वृत्तियों, व्यापारों, आजीविकाओं और नियोजनों पर कर अधिनियम, 2005 की धारा 10 (4) के अधीन.....वर्ष/तिमाही/मास के लिए कर निश्चित कर दिया गया है और ऐसे निर्धारित कर की रकम निम्न प्रकार से है:-

- | | |
|--------------------------|-------|
| 1. निर्धारित कर | रुपये |
| 2. पूर्व संदत्त कर घटाकर | रुपये |
| 3. देय अतिशेष | रुपये |

4.	धारा के अधीन अधिरोपित शास्ति	रुपये
5.	प्रोदभूत ब्याज	रुपये
6.	शुद्ध देय रकम (3+4+5)	रुपये

आपको एतद्वारा(तारीख) को या उससे पूर्व समुचित सरकारी खजाना में.....रुपये (अंकों में).....(शब्दों में)..... की राशि का संदाय करने और उपरोक्त तारीख पर या से पूर्व आवश्यक खजाना रसीद, इस कार्यालय में प्रस्तुत करने का निदेश दिया जाता है ऐसा न होने पर, अधिनियम की धारा 15 और 13 के अधीन आपसे उक्त राशि भू-राजस्व की बकाया के रूप में वसूलीय होगी ।

2. प्ररूप पी.टी. 6 में एक चालान उद्देश्य के लिए अनुलग्न है ।

(निर्धारण प्राधिकारी की मुद्रा).....

(हस्ताक्षर)

निर्धारण प्राधिकारी,

तारीख.....

जिला.....

प्ररूप वृ० क० 11
[नियम 10 (1) देखें]

दैनिक संग्रहण रजिस्टर

क्रम संख्या	तारीख	नियोजक या अन्य व्यक्ति का नाम और पता	रजिस्ट्रीकरण/ प्रमाण-पत्र नामांकन	खजाना चालान और जिससे संदाय संबन्धित है की अवधि और तारीख
1	2	3	4	5

के मददे संग्रहण			जारी		
	धारा 10 (5) के अधीन अतिरिक्त मांग	शास्ति	ब्याज	फीस	संयोजन/ प्रशमन धन

कुल	टिप्पणी	के हस्ताक्षर

टिप्पण- 1. क्रम संख्या, प्रत्येक दिन के लिए 01 से आरम्भ की जानी है ।

2. रजिस्टर जिना के प्रभारी अधिकारी द्वारा दिन के अन्त में हस्ताक्षरित किया जाना है ।

3. प्रत्येक मास के अन्त के पश्चात् जिला के प्रभारी अधिकारी द्वारा, अन्त में सुलह प्रमाण-पत्र अभिलिखित किया जाएगा ।

प्ररूप वृ० क० 11
[नियम 10 (3) देखें]

मांग और संग्रहण रजिस्टर

ज़िला

व्यौहारी का
नाम व पता

रजिस्ट्रकरण/नामांकन
प्रमाण पत्र की संख्या

धारा-8 के अधीन संगृहीत/संदत्त रकम									
वित्त वर्ष	के मद्दे संदत्त रकम	प्रथम तिमाही			संख्या और तारीख	द्वितीय तिमाही			संख्या और तारीख
		अप्रैल रुपये 3(क)	मई रुपये 3(ख)	जून रुपये 3(ग)	4	जुलाई रुपये 5(क)	अगस्त रुपये 5(ख)	सितम्बर रुपये 5(ग)	6
1	2								
	कर								
	ब्याज								
	शास्ति								
	धन								
	संयोजन								
	अन्य								

तृतीय तिमाही			और तारीख	चतुर्थ तिमाही			संख्या और तारीख	वर्ष के लिए कुल रुपये
अक्टूबर रुपये 7(क)	नवम्बर रुपये 7(ख)	दिसम्बर रुपये 7(ग)	8	जनवरी रुपये 9(क)	फरवरी रुपये 9(ख)	मार्च रुपये 9(ग)	10	11

धारा 10 के अधीन निर्धारित रकम

निर्धारित सकल मांग	वसूली मांग अतिशेष	संख्या और वसूली की तारीख	निर्धारण प्राधिकारी की अध्याक्षर
रुपये	रुपये		
12	13	14	15

प्ररूप वृ० क० 13
[नियम 17 (2) देखें]

आदेश

क्रम संख्या

स्थान		जिला	
-------	--	------	--

रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र संख्या	तारीख	
---------------------------------	-------	--

नाम	
-----	--

पता	
-----	--

आवेदन की तारीख	
----------------	--

अवधि	से	तक	
------	----	----	--

प्रतिदाय के संदाय के लिए समर्पक तारीख	
---------------------------------------	--

प्रतिदाय के संदाय के लिए अनुमोदित	रुपये
-----------------------------------	-------

अनुमोदन की तारीख मजूरी की तारीख	
------------------------------------	--

इस आदेश के फलस्वरूप उपलब्ध प्रतिदाय की कुल रकम	रुपये
--	-------

निर्धारण प्राधिकारी

तारीख.....

मुद्रा

जिला.....

प्ररूप वृ० क० 14
[नियम 17 (2) देखें]

प्रतिदाय समयोजन आदेश

प्र. स. आदेश, क्रम संख्या

स्थान

जिला

नाम और पता

रजिस्ट्रीकरण

तारीख

प्रमाण पत्र संख्या

प्रतिदाय के लिए अनुमोदित

सकल रकम

इस आदेश के अनुसार समायोजन
के लिए अनुमोदित रकम

अनुमोदन की तारीख

विवरणी जिसमें समायोजन मन्जूर किया गया

विवरणी प्रस्तुत

करने की तारीख

		--				--	2	0		
--	--	----	--	--	--	----	---	---	--	--

प्रतिदाय

समायोजन आदेश

की वैधता

							2	0		
--	--	--	--	--	--	--	---	---	--	--

तारीख

जिला

निर्धारण प्राधिकारी

मुद्रा

केवल कार्यालय प्रयोग हेतु

प्राधिकृत प्रतिदाय का पुष्टिकरण

आदेश द्वारा,

हस्ताक्षरित/—

प्रधान सचिव (आब. एवं करा.)।

[Authoritative English Text of this department notification No. EXN-F(6)6/2005 dated 19th September, 2005, as required under clause (3) of Article 348 of the Constitution of India].

EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

NOTIFICATION

Shimla-2, the 19th September, 2005

Act No. 15
of 2005

No. EXN-F(6)6/2005.—The Governor, Himachal Pradesh, in exercise of the powers conferred on him by section 31 of the Himachal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employments Act, 2005 is pleased to make the following Rules for carrying out the purposes of the said Act, namely :—

CHAPTER-I

1. These Rules may be called the Himchal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employments Rules, 2005. Short title.

2. (1) In these Rules, unless there is anything repugnant in the subject or context;— Definitions.

- (a) "Act" means the Himachal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employments Act, 2005;
- (b) "Appropriate Assessing Authority" in respect of any particular employer or any other person means the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer within whose jurisdiction the place of work of such employer or such person is situated, or if he has more than one places of work in the State, the Assistant Excise and Taxation Commissioner and the Excise and Taxation Officer within whose jurisdiction the head office of the places of work is situated and such officer shall also be deemed to have been authorised to make assessment under

clause (b) of section 2 of the Act ;

- (c) "Appropriate Government Treasury" means a treasury or sub-treasury of the Government or a branch of the State Bank of India or State Bank of Patiala situated in the district in which the employer or other person concerned has his place of work or the head office of the places of work in Himachal Pradesh if the business is carried on at more than one place in the State ;

Explanation.—The branch of the State Bank of Patiala shall be deemed to be the appropriate Government Treasury only in relation to employer or other person where there is no treasury or sub-treasury of the Government or a branch of the State Bank of India.

- (d) "form" means of form appended to these rules ;
- (e) "place of work" in relation to a person or an employer, means the place where such person or employer ordinarily carries on his profession, trade, calling or employment ;
- (f) "section" means a section of the Act ; and
- (g) "State" means the State of Himachal Pradesh.

2. all other words and expressions used in these Rules and not defined shall have the same meanings respectively as assigned to them in the Act.

CHAPTER-II

REGISTRATION AND ENROLMENT

Grant of
certificate
of
registration
or
enrolment.

3. (1) An application for a certificate of registration under sub-section (1) of section 7 shall be made to the appropriate Assessing Authority in Form P.T.-I and shall be accompanied by a deposit receipt by means of challan in form P.T.-6 of rupees ten in the appropriate Government treasury.

(2) An application for a certificate of enrolment under sub-section (2) of section 7 or for a revised certificate of enrolment under sub-section (3) of section 7 shall be made to the Appropriate Assessing Authority in Form P.T.-2 and shall be accompanied by a deposit receipt of rupees ten in form P.T.-6 in the appropriate Government treasury.

(3) The appropriate Assessing Authority shall, on verification of the particulars furnished in the application received under sub-rule (1) or under sub-rule (2), grant to the applicant a certificate of registration in Form P.T.-3 or a certificate of enrolment in Form P.T.-4.

(4) Where the applicant has more than one place of work in the State, as many copies of the certificates in Form P.T.-3 or Form P.T.-4, as the case may be shall be issued to him for each such place of work.

(5) The holder of the certificate of registration or certificate of enrolment, as the case may be, shall display the same at a conspicuous place at his place of work or the additional place of work to which it relates.

(6) If a certificate of registration or a certificate of enrolment is lost, destroyed or defaced or mutilated or becomes illegible, the holder of the certificate shall apply to the appropriate Assessing Authority for grant of a duplicate copy of the same. The Assessing Authority shall, after such verification as may be necessary, issue to the holder of such certificate an attested copy of the original certificate after stamping thereon the words "Duplicate Copy".

(7) Notwithstanding anything contained in this rule, any employer or other person, who has been registered under the Himachal Pradesh General Sales Tax Act, 1968 or the Central Sales Tax Act, 1956 or is deemed to have been registered or actually registered under the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005 shall not be required to obtain a separate registration and shall be allotted the registration or enrolment number automatically :

Act No. 24 of 1968.
Central Act No. 74 of 1956.
Act No. 12 of 2005.

Provided that drawing and disbursing officer of the Central Government or the State Government or the Government of any other State or Union Territory shall be allotted an identification number by the Assessing Authority.

clause (b) of section 2 of the Act ;

- (c) "Appropriate Government Treasury" means a treasury or sub-treasury of the Government or a branch of the State Bank of India or State Bank of Patiala situated in the district in which the employer or other person concerned has his place of work or the head office of the places of work in Himachal Pradesh if the business is carried on at more than one place in the State ;

Explanation.—The branch of the State Bank of Patiala shall be deemed to be the appropriate Government Treasury only in relation to employer or other person where there is no treasury or sub-treasury of the Government or a branch of the State Bank of India.

- (d) "form" means of form appended to these rules ;
- (e) "place of work" in relation to a person or an employer, means the place where such person or employer ordinarily carries on his profession, trade, calling or employment ;
- (f) "section" means a section of the Act ; and
- (g) "State" means the State of Himachal Pradesh.

2. all other words and expressions used in these Rules and not defined shall have the same meanings respectively as assigned to them in the Act.

CHAPTER—II

REGISTRATION AND ENROLMENT

Grant of
certificate
of
registration
or
enrolment.

3. (1) An application for a certificate of registration under sub-section (1) of section 7 shall be made to the appropriate Assessing Authority in Form P.T.-I and shall be accompanied by a deposit receipt by means of challan in form P.T.-6 of rupees ten in the appropriate Government treasury.

(2) An application for a certificate of enrolment under sub-section (2) of section 7 or for a revised certificate of enrolment under sub-section (3) of section 7 shall be made to the Appropriate Assessing Authority in Form P.T.-2 and shall be accompanied by a deposit receipt of rupees ten in form P.T.-6 in the appropriate Government treasury.

(3) The appropriate Assessing Authority shall, on verification of the particulars furnished in the application received under sub-rule (1) or under sub-rule (2), grant to the applicant a certificate of registration in Form P.T.-3 or a certificate of enrolment in Form P.T.-4.

(4) Where the applicant has more than one place of work in the State, as many copies of the certificates in Form P.T.-3 or Form P.T.-4, as the case may be shall be issued to him for each such place of work.

(5) The holder of the certificate of registration or certificate of enrolment, as the case may be, shall display the same at a conspicuous place at his place of work or the additional place of work to which it relates.

(6) If a certificate of registration or a certificate of enrolment is lost, destroyed or defaced or mutilated or becomes illegible, the holder of the certificate shall apply to the appropriate Assessing Authority for grant of a duplicate copy of the same. The Assessing Authority shall, after such verification as may be necessary, issue to the holder of such certificate an attested copy of the original certificate after stamping thereon the words "Duplicate Copy".

(7) Notwithstanding anything contained in this rule, any employer or other person, who has been registered under the Himachal Pradesh General Sales Tax Act, 1968 or the Central Sales Tax Act., 1956 or is deemed to have been registered or actually registered under the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005 shall not be required to obtain a separate registration and shall be allotted the registration or enrolment number automatically :

Act No. 24 of
1968.
Central Act
No. 74 of
1956.
Act No. 12
of 2005.

Provided that drawing and disbursing officer of the Central Government or the State Government or the Government of any other State or Union Territory shall be allotted an identification number by the Assessing Authority.

Amendment,
revision or
cancellation
of
certificate
of
registration
or
enrolment.

4. (1) Where the holder of a certificate of registration or a certificate of enrolment, as the case may be, granted under rule 3 desires the certificate to be amended or revised, he shall submit an application in form P.T. 2 for this purpose to the appropriate Assessing Authority, setting out the specific aspects in respect of which he desires such amendment or revision and the reasons for the same, together with the certificate of registration or certificate of enrolment.

(2) The appropriate Assessing Authority, if satisfied with the reasons given, amend or revise the certificate specified in Sub-rule (1) indicating the date from which the amendment shall be effective or the date from which the tax at the revised rates shall be payable.

(3) The certificate of registration or the certificate of enrolment granted under rule 3, may be cancelled by the appropriate Assessing Authority after he has satisfied himself that—

- (a) the employer to whom such certificate of registration was issued has ceased to be an employer, or
- (b) the enrolled person is dead or his liability to pay tax has ceased.

Certificate
to be
furnished
by an
employee
to his
employer.

5. The certificate to be furnished by a person to his employer under the second proviso to section 5 shall be in Form P.T.-5.

CHAPTER—III

PAYMENT OF TAX, RETURNS, NOTICES AND REGISTERS

Mode of
payment
of tax etc.

6. (1) Any amount payable in respect of the tax, interest, penalty, composition money, registration fee or any other liability shall be paid into the appropriate Government treasury by means of a challan in Form P.T.-6, obtainable free of charge at the District Excise and Taxation Officer and its Sub-offices. No payment of any such amount shall be accepted at the office of the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer in charge of the district or its Sub-offices, except through a bank draft payable at a local Schedule Bank in favour of the Assessing Authority.

(2) The Challan in Form P.T.-6, shall be obtainable free of charge at the District Excise and Taxation Offices and its Sub-offices.

(3) The Challan in Form P.T.-6 shall be filled up in quadruplicate. The copy of the challan marked as "Duplicate" shall be retained by the treasury, the copy marked as "Original" shall be sent by the Treasury Officer to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation Officer, Incharge of the district and the copies marked as "Triplicate" and "Quadruplicate" shall be returned to the person making payment duly signed and stamped in proof of payment. The "Triplicate" copy of the challan shall be furnished by the person making the payment to the Assessing Authority alongwith the return or application.

7. (1) The return under sub-section (1) of section 9 shall be furnished in Form P.T.-7 to the appropriate Assessing Authority for each year by the 30th day of April of the following year : Returns and assessment.

Provided that, except in the cases covered by rule 8, the payment of the tax shall be made into the appropriate Government treasury quarterly within thirty days from the expiry of the each quarter of the financial year :

(2) Before an order of assessment is made under sub-section (1) or under sub-section (3) of section 9 the assessee shall be afforded a reasonable opportunity of showing cause against such assessment and for this purpose he shall be served with a notice in Form P.T.-9 Prescribed authority.

Explanation.— For the purpose of sub-section (3) of section 9 of the Act, 'the prescribed authority' shall mean the appropriate Assessing Authority.

8. (1) The drawing and disbursing officer of the Central Government, State Government or the Government of any State other than the State of Himachal Pradesh, Union Territory, Local Body, Central or State Public undertakings, State Electricity Boards or any other Board, University or any such other Educational Institution shall be responsible for the deduction of due amount of tax from the salary or wages of the employees whose salary or wages are drawn or disbursed by him. The deduction shall be made every month, and the amount deducted shall be deposited into appropriate Government treasury under rule 6 within seven days after the Deduction of tax amount from the salary or wages of employees.

close of the month to which the deduction relates, and the salary or wages of such an employee for the month of February shall not be drawn unless the amount of tax or any part thereof for the period from the month of March of the preceding year to February, or, from the month in which the employee becomes liable to pay tax upto the month of February, as the case may be, has been fully deducted :

Provided that any drawing and disbursing officer of the Government of Himachal Pradesh shall deduct the due amount of tax from the salary or wages bills of the employees whose salary or wages are drawn or disbursed by him during the month and shall credit the amounts of tax so deducted under the head of Account "0045—Other Taxes and Duties on commodities and services, 112 Receipts from cesses under other Acts, 02—Professional Tax on Services" and a statement showing such deduction shall be enclosed with the salary or wages bill and a copy thereof sent to the appropriate Assessing Authority.

(2) The drawing and disbursing officer, shall furnish to the appropriate assessing authority not later than the 30th April, a statement relating to the payment of salary or wages made to the employees alongwith a certificate that the tax payable in respect of such employees, whose salary or wages were drawn by him during the period immediately preceding has been deducted in accordance with the provisions of the Act and at the rates specified in Schedule-I to the Act. Such statement shall show the name of the employee, the details of salary or wages drawn, the amount of tax deducted from the same and the period to which the tax relates.

(3) Notwithstanding the provisions contained in the Act or these rules, the liability of an employee to pay the tax shall not cease until the amount of tax to be paid by him under the Act, has been fully deposited into the Government account, and without prejudice to these provisions, the unpaid amount of the tax may be recovered from him if the employer or the appropriate Assessing Authority is satisfied that such amount has not been deducted from his salary or wages.

Notices.

9. (1) The notice under sub-section (5) or sub-section (6) of section 7 or under section 12 shall be issued by the Assessing Authority in Form P.T.-8.

(2) The notice under Sub-section (3) of section 9 or sub-section (2) or sub-section (4) of section 10, shall be issued by the Assessing Authority in Form P.T.-9.

(3) The notice of demand under sub-section (5) of section 10 and other provision of the Act or the rules, including any penalty or interest imposed under the Act, shall be issued by the Assessing Authority in form P.T.-10.

10. (1) There shall be maintained in each of the offices of the Asstt. Excise and Taxation Commissioners or the Excise and Taxation Officers-in-charge of the District, as the case may be, a daily collection register in Form P.T.-11, in which the particulars of every 'Original' copy of the challan in Form P.T.-6 received from the appropriate Government treasury under sub-rule (3) of rule 6 shall be recorded.

Maintenance of daily collection and demand and collection registers.

(2) Every Treasury Officer shall also send to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or the Excise and Taxation Officer-in-charge of the district within the first week of each month, a statement of the amounts credited into the appropriate Government treasury under the Act and rule 6, during the preceding month.

(3) Every Assessing Authority shall, enter the particulars of the returns and the payments of tax, interest and penalty made under the Act in a Demand and Collection register in Form P.T.-12.

11. Every employer shall maintain a register in which shall be entered the amount of salary and wages paid to each of the persons in his employ and the amount of tax deducted from the salary and wages of the employee and shall produce, on demand, the same before any officer not below the rank of an Excise and Taxation Inspector.

Employer to keep account of deduction of tax from salary of the employees.

CHAPTER-IV

APPEALS

12. (1) Every memorandum of appeal shall.—

(a) be in writing and specify the name and the address of the appellant ;

Appeal to the Appellate Deputy Commissioner.

- (b) specify the authority who passed the order and the date of the order against which appeal is being made ;
- (c) contain a clear statement of facts and grounds of appeal briefly but clearly set out ;
- (d) state precisely the relief prayed for ; and
- (e) be signed and verified by the appellant or by an agent duly authorised by him in writing in that behalf, in the following form, namely :—

"I....., appellant/agent appointed by the appellant named in the above memorandum of appeal do hereby declare that what is stated herein is true to the best of my knowledge and belief.

.....
(Signature)".

(2) The memorandum of appeal shall be accompanied by the order in original against which it is made or duly authenticated copy thereof, unless the omission to produce such order or copy is explained at the time of the presentation of the appeal to the satisfaction of the appellate authority.

(3) The memorandum of appeal shall be in duplicate and will either be presented by the appellant or his agent to the appellate authority or be sent to the appellate authority by registered post.

(4) If the memorandum of appeal omit to state any of the particulars required under sub-rule (1), or is not accompanied by the order appealed against or a duly authenticated copy thereof, or for any other reasons considered sufficient by the appellate authority, the appeal may be summarily rejected after giving the appellant an opportunity of being heard.

(5) If the appellate authority does not reject the appeal summarily, it shall fix a date of hearing and decide the appeal after giving a notice to and after hearing the authority against whose order the appeal has been filed and thereupon the appellate authority may passed order under sub-section (5) of section 18.

CHAPTER-V

MISCELLANEOUS

13. Any assessing, appellate or Revisional Authority may, at any time within two years from the date of any order passed by him rectify any clerical or arithmetical mistake apparent on the face of the record, after giving a notice to the assessee of his intention to do so and after affording him a reasonable opportunity of being heard.

Rectifica-
tion of
mistakes.

14. (1) If the holder of a certificate of registration or a certificate of enrolment in one area shifts his place of work to another area, he shall within thirty days of such shifting, furnish an intimation thereof to the Assessing Authority from whose office such certificate was issued, and shall also send a copy of such intimation, to the Assessing Authority exercising jurisdiction over the area to which the place of work is being or has been shifted.

Shifting of
place or
work.

(2) With effect from the commencement of the month immediately succeeding the month in which the intimation is given, the Assessing Authority having jurisdiction over the area to which the place of work has been shifted shall exercise all powers and discharge all functions pertaining to the determination and recovery of tax, and matters ancillary thereto, in respect of the sender of such intimation.

15. (1) Notices under the Act or the rules made thereunder may be served by any of the following methods, namely :—

Service of
notices.

- (i) by delivering or tendering a copy of the notice to the addressee or any adult member of his family residing with him or to a person regularly employed by him ; or
- (ii) by registered post :

Provided that, if upon an attempt having been made to serve any such notice by any of the above mentioned methods the authority under whose orders the notice was issued is satisfied that the addressee is evading service of notice or that for any other reasons, which in the opinion of such authority are sufficient that the notice cannot be served by any of the above mentioned methods, the said authority shall after recording the reasons therefore cause the notice

to be served by affixing a copy thereof on some conspicuous part of the addressee's place of work or residence last notified by him and such service shall be deemed to have been made on the addressee personally.

(2) When the process-server delivers or tenders a copy of the notice to the addressee personally or to any of the persons referred to in clause (i) to sub-rule (1), he shall require the person to whom the copy is so delivered or tendered to record his signatures in acknowledgment of service endorsed on the original notice.

(3) When the notice is served by affixing a copy thereof in accordance with sub-rule (1) the process-server shall return the original copy to the authority which issued the notice with a report endorsed thereon or annexed thereto stating that he so affixed the copy, the circumstances under which he did so and the name and address of the person, if any, through whom the addressee's place of work or residence is or was located, identified and in whose presence the copy was affixed. The process-server shall also obtain the signature or thumb impression of the person identifying the addressee's place of work or residence on his report.

(4) The authority under whose orders the notice was issued shall, on being satisfied from the report of the process-server or the postal acknowledgement or by taking such evidence as he deems proper that the notice has been served in accordance with the rule, record the fact and make an order to that effect.

(5) If the authority is not satisfied that the notice has been properly served, he may after recording an order to that effect, direct the service of a fresh notice.

Fees for
certain
matters.

16. The following fees shall be payable in the shape of court fee stamps :—

Sl. No.	Nature of documents	Value of court fee stamps
1	2	3
1.	(a) Memorandum of appeal under section 18 (1) and (2).	Five rupees

1	2	3
	(b) Revision to High Court under section 20.	One hundred rupees.
2.	Vakalatnama by an advocate	Two rupees
3.	(a) Application for adjournment of any proceedings before any authority under the Act.	Two rupees
	(b) Application for restoration of appeal etc.	Five rupees
4.	(a) Copy of any order passed by any authority under the Act or any other document.	Two rupees for every page or part thereof.
	(b) Application for urgent copies	Double of the fee payable in 4 (a) above, (copies to be issued within two days from the date of receipt of application).
5.	Application for amendment or registration certificate.	Five rupees
6.	Application for grant of instalments of demand of tax etc. or postponement of payment of any demand or stay of demand of tax etc.	Five rupees
7.	Application for any other document not covered under Sl. No. 1 to 6, above and rule 86.	Two rupees

Refund. 17. (1) Every application of refund under section 16 of the Act, shall be made to the Assessing Authority.

(2) When the Assessing Authority is satisfied, after scrutiny of the record, he shall, subject to the provisions of section 16, issue a refund payment order in Form P.T.-13 or refund adjustment order in Form P.T.-14, for such amount as may remain due in favour of assessee after adjusting the recovery of any amount due under the Act.

FORM P.T.-I
[See rule 3 (1)]

APPLICATION FOR CERTIFICATE OF REGISTRATION UNDER SUB-SECTION (1) OF SECTION 7 OF THE HIMACHAL PRADESH TAX ON PROFESSIONS, TRADES, CALLINGS AND EMPLOYMENTS ACT, 2005

To

The Assessing Authority,

I hereby make an application for the issue of a Certificate of Registration under sub-section (1) of section 7 of the Himachal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employments, Act, 2005 and furnish the particulars given below:—

1. Name of the applicant :
2. Address :
.....Pin Code
3. Status of person signing this form

Proprietor	Partner	Principal Officer	Agent	Manager	Director	Secretary
------------	---------	-------------------	-------	---------	----------	-----------

4. Class of Employer

Individual	Firm	Company	Corporation	Society	Club	Association
------------	------	---------	-------------	---------	------	-------------

5. If already registered under the Himachal Pradesh General Sales Tax Act, 1968/ the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005/the Central Sales Tax Act, 1956, the numbers of Registraton Certificate held :

The HP GST/VAT R.C. No.

The C.S. T. R. C. No.

6. Names and addresses of other places of work, if any in the State

Sl. No.	Name	Address

DECLARATION

I hereby declare that the above statements are true and complete to the best of my knowledge and belief.

Place :

Date :

Signature

Status

(For Office use only)

Registration Certificate No.

Issued

Signature of the Assessing Authority.

ACKNOWLEDGEMENT

Received an application in Form P.T.-1 for registration in Form P.T.-3 from _____ Address _____

Date :

Receiving Officer's Signature.

FORM P.T.-2

[See rule 3 (2) and rule 4 (1)]

APPLICATION FOR CERTIFICATE OF ENROLMENT UNDER SUB-SECTION (2) OF SECTION 7 REVISION OF CERTIFICATE UNDER SUB-SECTION (3) OF SECTION 7 OF THE HIMACHAL PRADESH TAX ON PROFESSIONS, TRADES, CALLINGS AND EMPLOYMENTS ACT, 2005

To

The Assessing Authority,
_____ District.

I hereby apply for a certificate of enrolment under Sub-section (2) of section 7, a certificate of registration or enrolment/revision of certificate of enrolment under Sub-section (3) of section 7 of the Himachal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employment Act, 2005 and furnish the particulars given below :—

1.	Name of the applicant	
2.	Full Postal Address	
3.	Date of birth and Age	
4.	Profession, Trade or Calling	
5.	Period of standing in profession (in years and months)	
6.	Number of other places of works (Please give the address of the places)	(i) (ii) (iii)
7.	Annual turnover of all sales/purchases	
*8.	Number of workers engaged in the factory	
*9.	Number of employees in the establishment	
*10.	Enrolment No. of previous certificate, if any	
*11.	If registered under HP GST Act, 1968/the HP VAT Act, 2005/the CST Act, 1956, the No. of registration certificates held	HP GST Act, 1968 : HP VAT Act, 2005 : CST Act, 1956 :
*12.	Grounds on which revision is sought :	

DECLARATION

I hereby declare that the above statements are true and complete to the best of my knowledge and belief.

Place :

Dated :

Signature with status

*Please fill up whichever is applicable.

(For Office use only)

Enrolment Certificate No.

issued

Signature of the Assessing Authority

ACKNOWLEDGEMENT

Received an application in Form P.T.-2 for Enrolment Certificate/Revised Enrolment Certificate in Form P.T.-4 from _____ Address _____

Date :

Receiving Officer's Signature.

FORM P.T.-3

[See rule 3 (3)]

**CERTIFICATE OF REGISTRATION UNDER SUB-SECTION (1) OF
SECTION 7 OF THE HIMACHAL PRADESH TAX ON
PROFESSIONS, TRADES, CALLINGS AND
EMPLOYMENTS ACT, 2005**

No. _____

District _____

This is to certify that the proprietor/Partner/Principal Officer/ Agent/Manager/head of the office/Establishment/Club/Association/Society/Corporation/ Company known as _____ and located at _____ has been registered as an employer under Sub-section (1) of section 7 of the Himachal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employments Act, 2005.

2. The holder of this certificate has the following additional places of work :—

(i)

(ii)

(iii)

3. The return shall be furnished for each year by 30th day of April and the payment of tax shall be made quarterly within Thirty days from the expiry of each quarter of the financial year

Seal.

Assessing Authority,

_____ Circle,

_____ District.

Place :

FORM P.T.-4
[See rule 3 (3)]

**CERTIFICATE OF ENROLMENT UNDER SUB-SECTION (2) OF SECTION 7
OF THE HIMACHAL PRADESH TAX ON PROFESSIONS, TRADES,
CALLINGS AND EMPLOYMENTS ACT, 2005**

No.

This is to certify that _____ engaged in the profession/Trade/Calling known as _____ is/are/employed with _____ located at _____ is a _____ owns/operates _____ has been enrolled under Sub-section (2) of section 7 of the Himachal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employments Act, 2005.

2. The holder of this certificate has the following additional places of work :—

(i)

(iii)

(iii)

3. The holder of this certificate shall pay the tax at the rate of Rs. _____ per month to be deposited for every quarter within thirty days from the expiry of each quarter of the financial year.

Seal.

Assessing Authority,

_____ Circle,

_____ District.

Place :

Date :

FORM P.T.-5

[See rule 5]

**CERTIFICATE TO BE FURNISHED BY PERSON WHO IS
SIMULTANEOUSLY ENGAGED IN EMPLOYMENT
OF MORE THAN ONE EMPLOYER**

I, _____ hereby certify that I am engaged in employment with the following employers, namely :—

	Name of the Employer	Address of the Employer
1.		
2.		
3.		
4.		
5.		

and I have got myself enrolled against enrolment Certificate No. _____. I have paid the tax for the period _____.

Seal.

Assessing Authority,

_____ Circle,

_____ District.

Place :

Date :

FORM P.T.-6
[See Rule 6 (1)]

CHALLAN

Original	Triplicate
Duplicate	Quadruplicate

Invoice of the Tax paid into.....Treasury/Sub-Treasury/Branch or State Bank of India or the State Bank of Patiala and credited under the Head of Account "0045—Other Taxes and Duties on commodities and services, **112—Receipts from cesses under other Acts, 02— Professional Tax on Services**"

District															Circle			
----------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--------	--	--	--

Period From			/			/	2	0	To			/			/	2	0
-------------	--	--	---	--	--	---	---	---	----	--	--	---	--	--	---	---	---

Last date of payment			/			/	2	0
----------------------	--	--	---	--	--	---	---	---

1. By whom tendered																				
---------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

2. Name of the employer/person																				
--------------------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

3. complete Address :																				
-----------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

Registration/Enrolment No.														
----------------------------	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

112— Receipts from cesses under other Acts

02—Professional Tax on Services	Rs.
Penalty	Rs.
Interest	Rs.
Composition money	Rs.
Registration fee	Rs.
TOTAL IN FIGURES :	Rs.
TOTAL IN WORDS :	Rupees

Certified that all the particulars given above are correct.

Signature of depositor.

Assessing Authority (with Seal).

Date :

		/		/	2	0		
--	--	---	--	---	---	---	--	--

FOR USE IN TREASURY

Received the sum of Rupees		and credited under
Account "0045-Other Taxes and Duties on commodities and services 112-Receipts from cesses under other Acts-02-Professional Tax on Services		
Treasury Accountant		

Stamp of Treasury.
Patiala.

Treasury Officer/
Sub-Treasury Officer/
Manager, State Bank of India/
Manager, State Bank of

Footnote :

- "Original" : To be sent by the Treasury Officer to the Assistant Excise and Taxation Commissioner or Excise and Taxation officer, incharge of the District.
- "Duplicate" : To be retained in the Treasury.
- "Triplicate" : To be returned to the person making payment.
- "Quadruplicate" : To be returned to the person making payment.

FORM P.T.-7

[See rule 7]

**RETURNS OF TAX PAYABLE BY EMPLOYER UNDER SUB-SECTION (1)
OF SECTION 9 OF THE HIMACHAL PRADESH TAX ON PROFESSION,
TRADES, CALLINGS AND EMPLOYMENT ACT, 2005**

Return of tax payable for the year ending on

Name of the employer	
Address	
Registration Certificate No.	

Number of employees during the year in respect of whom the tax is payable is as under:—

Particulars	Number of employees	Rate of Tax per month	Amount of Tax deducted
	Total		Rs.
Add simple interest payable (if any) on the above amount at one per cent per month or part thereof (under section 11 of the Act)			
	Grand Total		Rs.

Amount paid under Challan No. _____ dated _____

I certify that all the employees who are liable to pay the tax in any employ during the period of return have been covered by the foregoing particulars. I also certify that the necessary revision in the amount of tax deductible from the salary or wages of the employees on account of variation in the salary or wages has been made wherever necessary.

I, Shri _____ solemnly declare that the above statements are true to the best of my knowledge and belief.

Place :	Signature (Employer)
Date	Status

(For Official use)

The return is accepted on verification

Tax assessed Rs.

Tax paid Rs.

Balance Rs.

Assessing Authority.

Note.— Where the Return is not acceptable, separate order of assessment should be passed.

FORM P.T.-8

[See rule 9 (1)]

**NOTICE UNDER SUB-SECTION (5)/(6) OF SECTION 7/SECTION 12 OF
THE HIMACHAL PRADESH TAX ON PROFESSIONS, TRADES, CALLINGS
AND EMPLOYMENT ACT, 2005**

To

Whereas—

I am satisfied on information which has come into my possession that you have been liable to registration/enrolment under section 7(1)/7(2) of the Himachal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employments Act, 2005, but that you have wilfully—

- *(a) failed to apply for the certificate of registration/enrolment within the time specified in sub-section (3) of section 7 of the said Act;
- *(b) furnished false information in the application submitted by you under Sub-section (1)/(2) of section 7.
- (c) failed without reasonable cause to make payment of the amount of Rs. _____ specified in the notice of demand issued on _____ under Sub-section (5) of section 10.

You are hereby directed to attend in person or through duly authorised representative at (Place) _____ on (date) _____ at (time) _____ to show cause why penalty (a) not exceeding rupees ten for each day of delay but not exceeding rupees two/one thousand under clause (i)/(ii) of sub-section (5) under Sub-section (6) of section 7, or (b) not less than fifteen percentum but not exceeding twenty-five percentum of the said amount of tax due under section 12 of the said Act should not be imposed upon you.

In the event of your failure to comply with this notice, I shall take action without further reference to you.

Seal.

Signature _____

Dated :

Assessing Authority,

Place :

_____ Circle

_____ District.

FORM P.T.-9

[See rule 9 (1) and 9 (3)]

**NOTICE FOR HEARING TO AN EMPLOYER UNDER SUB-SECTION (3) OF
SECTION 9, SUB-SECTION (2) OR SUB-SECTION (4) OF SECTION 10
OF THE HIMACHAL PRADESH TAX ON PROFESSIONS, TRADES,
CALLINGS AND EMPLOYMENTS ACT, 2005**

To

Whereas—

- (a) You, an employer registered under Certificate No. _____ of _____ District, were requested to furnish the return under sub-section (1) or sub-section (2) of section 9 of the Himachal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employments Act, 2005 but you have without reasonable cause failed to furnish such return for the period ending on 31st March, _____.
- (b) I am not satisfied that the return filed by you for the month/quarter/year ending the _____ day of _____ is correct and complete and it appears to me to be necessary to make an assessment under Sub-section (2) of section (10) of the Himachal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employments Act, 2005 in respect of the above mentioned period.
- (c) I am satisfied on information which has come into my possession that you have been liable to pay tax under the Himachal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employments Act, 2005 in respect of the period commencing on _____ and ending on _____ but you have failed to get yourself registered under Sub-section (1) of section 7 of the said Act, or being registered have failed to furnish any return, or has escaped assessment and it appears to me to be necessary to make an assessment under Sub-section (4) of section 10 of the said Act, in respect of the above mentioned period and all subsequent periods.

2. You are hereby directed to attend in person by or through a duly authorised representative at (Place) _____ on (date) _____ at (time) _____ and produce or cause to produce, at the said time and place the accounts and documents specified below for the purpose of such assessment together with any objection which you may wish to prefer and any evidence you may wish to adduce in support thereof and to show cause on that date that as to why a penalty not exceeding rupees ten for each day

of delay but not exceeding in the aggregate fifty per cent of the tax liability should not be imposed upon you under Sub-section (3) of section 9 of the aforesaid Act.

In the event of your failure to comply with this notice, I shall proceed to assess the tax to the best of my judgement without further reference to you.

Signature _____

Assessing Authority,
_____ District.

(Seal of the Assessing Authority).

Dated _____

* Strike of which is not applicable.

FORM P.T.-10

[See rule 9 (2)]

NOTICE OF DEMAND FOR PAYMENT OF TAX UNDER SUB-SECTION (5) OF SECTION 10, (INCLUDING INTEREST AND PENALTY) OF THE HIMACHAL PRADESH TAX ON PROFESSIONS, TRADES, CALLINGS AND EMPLOYMENTS ACT, 2005

OFFICE OF THE ASSESSING AUTHORITY

Circle :

District

Disposal No.

Date :

To

R. C. No.

You are hereby informed that your assessment for the year/quarter/month _____ has been finalized under section 10 (4) of the Himachal Pradesh Tax on Professions, Trades, Callings and Employments Act, 2005 and the amount of tax so assessed is as under :—

1	Tax assessed	Rs.
2.	Less tax already paid	Rs.
3.	Balance due	Rs.
4.	Penalty imposed u/s	Rs.
5.	Interest accrued	Rs.
6.	Net amount due (3+4+5)	

You are hereby directed to pay the sum of Rs. _____ (Rupees _____) (in words), into the appropriate Government Treasury on or before (date) _____ and furnish the necessary treasury receipt in this office on or before the above said date failing which the said sum will be recoverable under section 15 and under section 13 of the Act, from you as an arrear of land revenue.

2. A challan in Form P.T.-6 is enclosed for the purpose.

(Seal of Assessing Authority).
(Signature) _____

Assessing Authority,
District.

FORM P.T.-11

[See rule 10 (1)]

DAILY COLLECTION REGISTER

Sl. No.	Date	Name and Address of the employer or Other person	R.C./ Enrolment No.	Treasury Challan No. and Date and period to which the payment relates	Collection on Account of		
					Voluntary payment	Addl. Demand under section 10(5)	Penalty
1	2	3	4	5	6	7	8

Interest	Fees	composition Money	Total	Remarks	Signature of dealing hand
9	10	11	12	13	14

Note.— 1. Serial No. to be started from 01 for each day.

2. The register to be signed by officer incharge of the District at the end of the day.

3. After the close of each month a reconciliation certificate shall be recorded at the end by the Officer incharge of the District.

[illegible]

[See rule 17 (2)]

Seal.

FORM P.T.-14

[See rule 17 (2)]

REFUND ADJUSTMENT ORDER

RAO Serial Number

Place

District

Name and Address :

R.C. No.

Date

Gross amount approved for refund

Amount approved for adjustment as per
this order

Date of approval

Return in which adjustment allowed

Date of filing the return

Validity of RAO

Date :

Assessing Authority

District :

(Seal).

FOR OFFICE USE ONLY**CONFIRMATION OF REFUND
AUTHORISED**

Date of Approval

Amount

Refund payment order

Date :

Amount

Date of refund order

Asstt. Excise and Taxation Commissioner/
Excise and Taxation Officer Incharge,
District

Assessing Authority,

By order,
Sd/-

Principal Secretary (Excise and Taxation).